Lesson-12
THE TALKING POTATO

Introduction:

When people donot serve trees and plants properly, i.e, when plants need watering and they are not watered then they become angry.
Sometimes it expresses in words, Unusually what happens-them?

If plants start speaking how man reacts, it is imaginative. This enhances the power of imagination.

It is very humourous for children. Ultimately, it is aimed to ehhance language skill, humour and fun without imposition of rules and patterns. The students should take interest in humourous writing.

Objective:

To enhance creativity and power of imagination among students.

Central theme:

Plants have life. They are hurt. They feel angry and pain when they are not cared properly, not watered timely. So they (the palnts) should be treated like living things.

Reading:

Read the story with proper pace and pause yourself and then ask students to read it with correct pronunciation.

Vovabulary:

Waited:	-	इन्तजार किया
Frightend:	-	भयभीत
Believe:	-	विश्वास करना
Rock:	-	चट्टान
Afraid:	-	डर जाना
Drop:	-	गिराना
Angry:	-	क्रोधित
Non -sense:	-	मूर्खता पूर्ण बातें

Evaluation:

By asking two short questions and by spelling test orally and written evaluate the students.

Ex. (I) Who said, "A potato that talks ?"
(II) Where did the farmer live ?

Speling: Write spelling of the following words-

(1) Frightend	(II) Mukhiya
(III) Fisherman	(IV) Nonsense
(V) Imagine	(VI) Believe
(VII) Terrible	(VII) Chase
(VIII)Explain	(X) Cared

https://www.evidyarthi.in/

Recap: If incorrect reply comes, correct them immediately.
TLM : Plant, Potato.
Activity: Show the story by a role play conducted by students.
Exercise: Do exercise according to the level of students, i.e., from complex to easy or easy to complex.

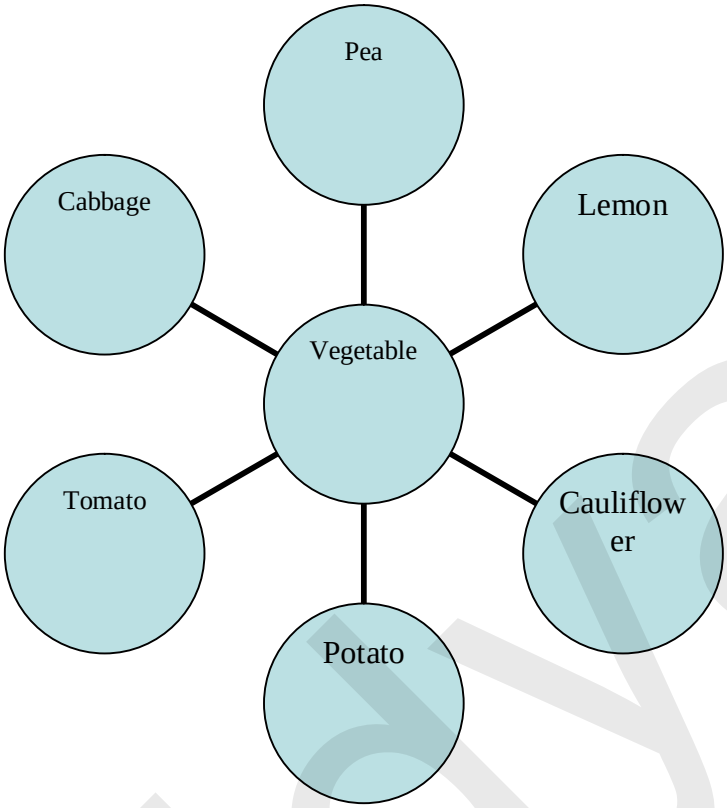

fgUnh vuokn%

There was a former. He..... lazy (page-57)

एक किसान था। वह गाँव में रहता था। उसने अपने खेत में आलू बोआ। लेकिन, समय से निराई या पानी नहीं पटाया। दो महीने के बाद वह आलू को खोदने गया।

ज्योंहि उसने आलू खोदना शुरू किया, एक आवाज आई "तुम इतने दिनों के बाद क्यों आये हो"? तुमने न तो पानी पटाया न ही देखभाल की। जाओ और मुझे अकेला छोड़ दो।
"कौन बोल रहा है", किसान ने चारों ओर देखते हुए पूछा।
"यह आलू है", कुत्ते ने उत्तर दिया। वह ठीक है और तुम जानते हो कि तुम आलसी हो।

The farmer was..... joking (page-58)

किसान डर गया। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि उसका कुत्ता बोल रहा है। उसने कुत्ते को अंगूर की लता से बाँधने के लिए लता को काटा"। मुझे पेड़ से लटका दीजिए", लता ने कहा।
डर से किसान के चेहरे का रंग फीका पड़ गया, जब उसने अंगूर की लता को बात करते देखा। उसने लता को चट्टान पर फेंक दिया। तभी चट्टान ने कहा, "मुझसे लता को दुर

https://www.evidyarthi.in/

हटाओ"। किसान बूरी तरह डर गया। वह तेजी से गाँव की तरफ भागा। उसने जो सुना सभी बातें मुखिया को कहना चाहता था।

शीध्र ही वह मछुआरे के पास आया, जो जाल से मछली पकड़ रहा था। मछुआरे ने पूछा, "तुम क्यों दौड़ रहे हो, किसान ? क्या कोई शेर तुम्हारा पीछा कर रहा है ?
किसान ने कहा, आज सुबह आलू बोला कि मुझे अकेला छोड़ दो। फिर मेरे कुत्तो ने कहा कि वह ठीक कह रहा है। जब मैंने अंगूर की लता को काटा तो, लता ने कहा कि मुझे पेड़ से लटका दो। मैंने लता को चट्टान पर फेक दिया तब चट्टान ने कहा कि मुझसे लता को दूर हटाओ। अब मैंने जो सुना, सारी–बात मुखिया को करने जा रहा हूँ।
मछुआरे ने कहा – क्या कोई आलू बोल सकता है। उसे किसान की बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था।
तुम मुझसे मजाक कर रहे हो। The Fishermans net---- away from me".

मछुआरा के जाल ने कहा, क्या किसान ने लता को हटाया। मछुआरा डर गया था। उसने जाल को फेंका और किसान के साथ गाँव की तरफ भागा। जल्दी ही वे दर्जी के पास पहुँचे, जो एक कमीज की सिलाई कर रहा था।
"तुमलोग इतनी तेजी से क्यों दौड़ रहे हो? क्या, कोई बाघ तुमलोगों का पीछा कर रहा है?, दर्जी ने पूछा।

"ऐसी बात नहीं है", किसान ने कहा। आज सुबह आलू बोला मुझे अकेला छोड़ दो, मेरा कुता बोला वह ठीक है। जब मैंने अंगूर की लता को काटा तो लता ने कहा मुझे पेड़ पर लटका दो। मैंने लता को चट्टान पर फेंका तो चट्टान ने कहा कि लता को मुझसे दूर करो और तब मछुआरा ने कहा, मेरे जाल ने कहा कि क्या किसान ने लता को हटाया? "तुमलोग कोई सपना देख रहे हो", दर्जी ने कहा तुम ठीक कह रहे हों दर्जी के शर्ट ने कहा। अब दर्जी भी डर गया। वह भी किसान और मछुआरा के साथ दौड़ा। वे सभी मुखिया के पास गये। वह कुर्सी पर बैठा हुआ था।
बेलो–मुखिया ने कहा। मुखियाजी, "किसान ने कहा"– आज सुबह आलू ने कहा मुझे अकेला छोड़ दो, मेरे कुत्ते ने कहा "वह ठीक है"। जब मैंने लता को काटा तो लता ने कहा मुझे पेड़ पर लटका दो। जब मैंने लता को चट्टान पर फेंका तब चट्टान ने कहा मुझसे लता को हटाओ। And then..... would have done. (Page-60)

और तब मछुआरा ने कहा, मेरे जाल ने कहा क्या किसान ने लता को हटाया। मेरे कमीज ने मुझसे कहा, तुम ठीक हा, "तुमलोगों को ये मूर्खतापूर्ण बातें करने की हिम्मत कैसे हुई? जाओ और अपना काम करो नहीं तो मैं तुम सभी को दण्डित करूँगा। तत्काल तीनों वहाँ से भाग गये। ''कल्पना कीजिए''। मुखिया की कुर्सी ने कहा अब तुम्हें क्या लगता है कि मुखिया ने क्या किया होगा?

https://www.evidyarthi.in/